

ГАЛОЎНАЕ КІРАЎНІЦТВА
АДЗІНАЙ ГІДРА-МЕТЭАРАЛАГІЧНАЙ СЛУЖБЫ
пры НКЗ БССР

ДЭКАДНЫ БЮЛЕТЭНЬ

ГАЛОЎНАГА КІРАЎ-
НІЦТВА І ГІДРАМЕТ-
ІНСТЫТУТА

Адрас рэдакцыі: Менск, р. Карла Маркса і Чырвонаармейскай, 48, Галоўнае
Кіраўніцтва АГМС БССР.

№ 7 (141)

1—10 сакавіка

1934 г.

З М Е С Т

Сінаптычны агляд за дэкаду—І. Харлап.

Метэаралагічная характарыстыка і табліца вынікаў метэаралагічных
назіранняў за дэкаду—Н. Малішэўская.

Сельска-гаспадарчая гідрамет. характарыстыка за дэкаду—В. Стэ-
фановіч.

Вынікі праверкі метнагляданняў за студзень м-ц 1934 г.—А. Гурло.

Кліматычныя ўмовы росту пшаніцы ў БССР—Ф. Рабаконь.

Метэаралагічнае абслугоўванне міжраённых камісій па вызначэнні
ўраджайнасці—В. Стэфановіч.

Пастанова № 107 Народнага Камісарыята Земляробства БССР.

Папраўка.

Сінаптычны агляд з 1 па 10 сакавіка 1934 г.

У гэтую дэкаду назіралася наступнае размеркаванне барыч-
ных элементаў:

У пачатку дэкады над Ісландыяй знаходзілася вобласць ніз-
кага ціску ў масах цёплага морскага палярнага паветра, якое
рухалася на паўночны ўсход.

Над Белым морам знаходзілася вобласць высокага ціску ў
масах халоднага кантынентальна-арктычнага паветра, якое
рухалася на паўднёвы-заход і паступова захапляла БССР.
З сакавіка сваім цэнтрам устанавілася на тэрыторыі нашай краіны.

У далейшым пачынаецца адход гэтай вобласці высокага
ціску на паўднёвы ўсход, а на яе месца пачала заходзіць воб-
ласць нізкага ціску з паўночнага захаду, якая захапляе нашу
краіну і трымаецца да канца гэтай дэкады.

62962
1953



Табліца вынікаў метэаралагічных

| Кліматычны раён | №№ на карце | Назва станцый | Тэмпература паветра | | | | | | | | | | Сярэдняя | Нармальн. | Максімальная | Мінімальная | Часло, ка-лі нагляд-мімум | Адносная вільготн. паветра за 13 г. у % |
|-------------------------------|-------------|-----------------------------|---------------------|-----|-----|-----|----|----|----|----|----|----|----------|-----------|--------------|-------------|---------------------------|---|
| | | | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | | | | | | |
| I. Паўночны (вазёрны) | 2 | Дрыса ¹⁾ | -9 | -12 | -12 | -7 | 0 | -1 | -3 | 1 | 1 | 1 | -4 | - | 3 | -18 | 3 | 73 |
| | 3 | Полацак ¹⁾ | -9 | -13 | -12 | -7 | -1 | -1 | -4 | 0 | 1 | 0 | -5 | -4 | 3 | -20 | 3 | |
| | — | Вялікія-Лукі ²⁾ | -10 | -13 | -13 | -7 | -1 | 0 | -4 | 0 | 0 | -1 | -5 | - | 2 | -18 | 2 | |
| | 68 | Гарадок | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | |
| | 84 | Сураж | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | |
| II. Пераходны (вадападзельны) | 7 | Нова-Каралёва | -11 | -13 | -13 | -9 | -2 | -2 | -5 | -1 | 0 | -2 | -6 | -5 | 2 | -22 | 4 | 71 |
| | 8 | Лепель ³⁾ | -9 | -11 | -10 | -7 | -2 | -3 | -3 | 0 | 0 | 0 | -4 | - | 3 | -16 | 3 | 76 |
| | 75 | Плешчаніцы ⁴⁾ | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | |
| | 70 | Бобр | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 76 |
| | 13 | Барысай ⁵⁾ | -8 | -10 | -9 | -6 | -1 | -2 | -3 | 0 | 1 | -1 | -4 | -4 | 3 | -14 | 3 | |
| | 16 | Менск ⁴⁾ | -6 | -10 | -8 | -7 | 0 | -3 | -4 | 1 | 0 | -1 | -4 | -4 | 3 | -15 | 3 | 77 |
| | 93 | Бярэзіна | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | |
| | 23 | Мар'іна-Горка ⁶⁾ | -6 | -9 | -8 | -8 | -2 | -3 | -4 | 0 | 0 | 0 | -4 | -3 | 2 | -14 | 4 | 76 |
| | 25 | Асіпавічы | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | |
| | 10 | Орша ⁷⁾ | -10 | -12 | -12 | -8 | -2 | -3 | -4 | -1 | 0 | 0 | -5 | -4 | 3 | -17 | 2 | 76 |
| III. Цэнтральны (раўнінны) | 19 | Горкі ⁸⁾ | -11 | -14 | -13 | -9 | -3 | -4 | -5 | -1 | 0 | 0 | -6 | -5 | 4 | -18 | 2 | 72 |
| | 89 | Клічаў | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 82 |
| | 28 | Слуцак ⁹⁾ | -4 | -9 | -8 | -8 | -2 | -3 | -4 | 0 | 0 | 0 | -4 | - | 3 | -13 | 4 | |
| | 30 | Мар.-Сосны ¹⁰⁾ | -3 | -9 | -7 | -7 | -3 | -3 | -5 | 0 | 0 | 1 | -4 | -3 | 4 | -13 | 4 | 73 |
| | 21 | Магілёў ¹⁰⁾ | -10 | -12 | -12 | -8 | -3 | -4 | -4 | -1 | 0 | 0 | -5 | -4 | 5 | -17 | 4 | |
| | 73 | Чавусы | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 66 |
| | 27 | Чэрыкаў | -9 | -13 | -12 | -10 | -4 | -4 | -5 | -1 | 1 | 0 | -6 | -4 | 5 | -19 | 4 | |
| | 191 | Касцюковічы | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 77 |
| IV. Паўднёвы (нізінны) | 31 | Турск | -7 | -11 | -10 | -8 | -4 | -4 | -3 | 1 | 0 | 0 | -5 | -4 | 2 | -15 | 4 | |
| | 32 | Жлобін | -5 | -10 | -9 | -8 | -5 | -3 | -4 | -1 | 1 | 0 | -4 | -3 | 4 | -15 | 4 | 71 |
| | 33 | Жыткавічы ¹¹⁾ | -3 | -9 | -9 | -7 | -3 | -5 | -5 | 1 | 0 | 2 | -3 | -2 | 4 | -15 | 4 | 74 |
| | 37 | Калінкавічы ¹²⁾ | -4 | -9 | -8 | -8 | -6 | -5 | -4 | 0 | 0 | 1 | -4 | -2 | 3 | -14 | 4 | |
| | 39 | Лельчыцы | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 87 |
| | 85 | Чачэрска ⁴⁾ | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | |
| | 83 | Барба | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | 76 |
| | 38 | Гомель ¹³⁾ | -5 | -10 | -9 | -9 | -6 | -5 | -4 | -1 | 0 | 1 | -5 | -4 | 4 | -15 | 4 | |
| | 35 | Васілевічы | -5 | -9 | -8 | -8 | -5 | -5 | -4 | 0 | -1 | 1 | -4 | -3 | 4 | -15 | 4 | 60 |
| | 40 | Людвінава | -4 | -9 | -9 | -8 | -8 | -6 | -4 | -1 | -1 | — | -5 | -2 | 5 | -15 | 4 | |

¹⁾ мяцель 8; ²⁾ мяцель 5; ³⁾ мяцель 10; ⁴⁾ мяцель 4; ⁵⁾ туман 1; ⁶⁾ галалёд 3, мяцель 10; ⁷⁾ галалёд 3
¹³⁾ туман 4, 7; ¹⁴⁾ туман 1, 4, 5, 9, галалёд 1, 2; ¹⁵⁾ туман 1, 5, 8, 10.

х

назіранняў за 1—10 сакавіка 1934 г.

| | Адносная вільгот. паветра за 13 г. у % | Тэмпера- тура паверхні глебы | | | А падкі ў мм | | | | | | | | | | | Снегавы насціл | | | Характарыстыка снегавога на- сцілу |
|---|---|---------------------------------------|----------|-------------------------------------|--------------|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----------------|----------------|-----------------|--|
| | | Максімал. | Мінімал. | чысло, ка- лі нагляд. мінімум | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | — | Сума | Вышыня ў см | Шчыль- насць | |
| 3 | | 73 | — | — | .. | .. | .. | 0.4 | .. | .. | 1.0 | 2.0 | .. | 0.1 | — | 3.5 | 14 | 0.33 | роўнамерны |
| 3 | | 75 | — | — | .. | .. | .. | 1.0 | .. | .. | 3.0 | 1.0 | 0.5 | 1.0 | — | 6.5 | 21 | 0.36 | скарынка |
| 2 | | 73 | 4 | 22 | 3 | .. | 0.1 | .. | 1.0 | .. | 1.0 | .. | 0.1 | 0.2 | — | 2.4 | 13 | 0.42 | няроўнамерны |
| — | | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| 4 | | 71 | 3 | 25 | 3 | .. | .. | .. | 1.0 | .. | 2.0 | 1.0 | .. | 0.2 | — | 4.2 | 48 | 0.30 | роўнамерны |
| 3 | | 76 | — | — | .. | .. | .. | 4.0 | 0.1 | .. | 2.0 | 0.3 | 0.2 | 0.1 | — | 6.7 | 3 | 0.44 | мясцамі |
| — | | — | — | — | .. | 0.1 | .. | 0.4 | .. | .. | 3.0 | 0.3 | 0.1 | 0.1 | — | 4.6 | — | — | — |
| 3 | | 76 | — | — | .. | .. | .. | 0.4 | .. | .. | 3.0 | 1.0 | 0.1 | 0.1 | — | 3.7 | 3 | 0.50 | няроўнамерны |
| 3 | | 77 | 3 | 15 | 3 | 0.1 | 0.1 | .. | 1.0 | 0.1 | 0.1 | 3.0 | 0.2 | 0.1 | 0.5 | 5.2 | 20 | 0.25 | — |
| — | | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| 4 | | 76 | 3 | 14 | 3 | .. | .. | .. | 0.1 | .. | 1.0 | 0.4 | 0.1 | 3.0 | — | 4.6 | 13 | 0.27 | няроўнамерны |
| — | | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| 2 | | 76 | — | — | 0.1 | .. | .. | 0.5 | .. | .. | 0.4 | 3.0 | 0.1 | 0.3 | — | 4.4 | 9 | 0.31 | мясцамі |
| 2 | | 72 | 3 | 26 | 3 | .. | .. | .. | 1.0 | 0.1 | .. | 1.0 | 2.0 | 0.1 | 3.0 | 7.2 | 12 | 0.30 | — |
| — | | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| 4 | | 82 | — | 13 | 4 | 0.6 | 3.0 | .. | 0.1 | 0.1 | 0.1 | .. | 1.0 | 1.0 | 0.1 | 6.0 | — | — | мясцамі |
| 4 | | 73 | — | 15 | 4 | 2.0 | .. | .. | 0.1 | .. | .. | 0.3 | 2.0 | 1.0 | 1.0 | 6.4 | 1 | — | — |
| 4 | | 76 | — | — | — | .. | .. | .. | 1.0 | .. | 0.5 | 1.0 | 3.0 | 3.0 | 6.0 | 14.5 | 6 | 0.41 | няроўнамерны |
| — | | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| 4 | | 66 | — | — | .. | .. | .. | 0.1 | 0.3 | .. | .. | 2.0 | .. | 4.0 | — | 6.4 | 14 | — | — |
| — | | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| 4 | | 77 | 3 | 24 | 4 | .. | .. | .. | 0.1 | .. | 0.3 | 1.0 | 1.0 | 3.0 | — | 5.4 | 24(?) | 0.25 | няроўнамерны |
| 4 | | 71 | — | — | 0.1 | .. | .. | 0.1 | 0.1 | .. | 0.2 | 1.0 | 0.1 | 2.0 | — | 3.6 | 2 | 0.42 | мясцамі |
| — | | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| 4 | | 74 | — | — | .. | 6.0 | 0.2 | 0.1 | 0.1 | .. | .. | 1.0 | 0.4 | 1.0 | — | 8.8 | — | — | — |
| 4 | | 87 | — | — | 2.0 | .. | .. | .. | .. | .. | 0.3 | 0.5 | 0.1 | 0.1 | — | 3.0 | 1 | 0.50 | мясцамі |
| — | | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| — | | — | — | — | .. | .. | .. | .. | 0.3 | .. | .. | 2.0 | 1.0 | 2.0 | — | 5.3 | — | — | — |
| 4 | | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — | — |
| 4 | | 76 | — | — | .. | .. | .. | .. | .. | .. | .. | 1.0 | 0.1 | 0.5 | — | 1.6 | 0 | — | мясцамі |
| 4 | | 60 | — | — | 0.5 | .. | .. | .. | .. | .. | 0.2 | 1.0 | 0.2 | 0.4 | — | 2.3 | 2 | 0.30 | — |
| 4 | | 67 | 7 | 15 | 5 | 1.0 | 0.1 | 0.1 | 0.1 | .. | .. | 0.1 | 0.2 | 0.1 | — | 1.7 | 5 | — | — |

алёд 3

) мяцель 1, бура 1; 9) туман 1, 10; 10) туман 3, 10; 11) туман 1, мяцель 1; 12) галалёд 1,2;

Табліца вынікаў метэаралаг. назіранняў за 1—10 сакавіка 1934 г.

| Кліматычны раён | №№ па карце | Назва станцый | Вецер | | | | % | | Сярэдняя воблачнасць у 10-балавай сістэме | | Сярэдні стан павярховага пласта глебы (на глыб. 10—15 см) |
|-------------------------------|-----------------|-------------------------|-------------|----------|----------------------|----------|-----------|----------|---|-----------|--|
| | | | Пераважаючы | | 3 мак. сім. хуткасцю | | у | | у | | |
| | | | Напрамак | Хуткасць | Напрамак | Хуткасць | Інсалацыя | Агульная | Ніжняя | | |
| I. Паўночны (вазёрны) | 2 | Дрыса | SW | 4 | SE | 12 | — | 6 | 6 | замерзшая | |
| | 3 | Полацак | SW | 4 | S | 8 | — | 8 | 6 | " | |
| | — | Вялікія Лукі | SW | 4 | S | 15 | — | 6 | 6 | " | |
| | 68 | Гарадок | — | — | — | — | — | — | — | — | |
| | 84 | Сураж | — | — | — | — | — | — | — | — | |
| | 7 | Нова-Каралёва | S | 4 | S | 10 | 33 | 6 | 6 | замерзшая | |
| II. Пераходны (вадападзельны) | 8 | Лепель | SW | 4 | E | 8 | — | 6 | 6 | — | |
| | 75 | Плешчаніцы | — | — | — | — | — | — | — | — | |
| | 70 | Бобр | — | — | — | — | — | — | — | — | |
| | 13 | Барысаў | SW | 4 | SW | 10 | — | 10 | 9 | замерзшая | |
| | 16 | Менск | SW | 4 | SW | 14 | — | 8 | 5 | " | |
| | 93 | Бярэзіна | — | — | — | — | — | — | — | — | |
| | 23 | Мар'іна-Горка | S | 4 | S | 10 | — | 8 | 6 | замерзшая | |
| | 25 | Асіпавічы | — | — | — | — | — | — | — | — | |
| | 10 | Орша | SW | 2 | SW | 4 | — | 6 | 6 | замерзшая | |
| 19 | Горкі | SW | 4 | NE | 15 | — | 6 | 6 | " | | |
| III. Цэнтральны (раўнінны) | 89 | Клічаў | — | — | — | — | — | — | — | — | |
| | 28 | Слуцак | SW | 4 | S | 12 | — | 8 | 6 | замерзшая | |
| | 30 | Мар'іна-Сосны | S | 4 | S | 9 | — | 8 | 5 | " | |
| | 21 | Магілёў | S | 4 | S | 7 | — | 10 | 6 | — | |
| | 73 | Чавусы | — | — | — | — | — | — | — | — | |
| | 27 | Чэрыкаў | SW | 4 | NE | 10 | — | 6 | 6 | замерзшая | |
| | 191 | Касцюковічы | — | — | — | — | — | — | — | — | |
| | 31 | Турск | SW | 4 | SW | 12 | — | 9 | 9 | замерзшая | |
| | 32 | Жлобін | S | 4 | E | 7 | — | 6 | 3 | " | |
| IV. Паўднёвы (нізінны) | 33 | Жыткавічы | E | 4 | E | 7 | — | 6 | 6 | замерзшая | |
| | 37 | Калінкавічы | SE | 4 | SE | 8 | — | 8 | — | " | |
| | 39 | Лельчыцы | — | — | — | — | — | — | — | " | |
| | 85 | Чачэрска | — | — | — | — | — | — | — | " | |
| | 83 | Барба | — | — | — | — | — | — | — | — | |
| | 38 | Гомель | SW | 4 | SW | 8 | — | 8 | 6 | замерзшая | |
| | 35 | Васілевічы | SW | 4 | SE | 10 | 16 | 8 | 6 | " | |
| | 40 | Людвінава | S | 4 | E | 6 | — | 8 | 8 | " | |

Дзякуючы гэтым двум зменам вобласцей ціску назіраліся і рэзкія змены надвор'я: з 1-га па 4-га сакавіка ўключна трымалася сухое і яснае надвор'е з нізкімі тэмпературамі, з 5-га па 10-ае сакавіка—сырое, пахмурнае надвор'е, з значна высокімі тэмпературамі.

1-га сакавіка тэрыторыя БССР знаходзілася ў масах прагрэтага кантынентальна-палярнага паветра.

З паўднёвага ўсходу пачынаецца ўваход халодных мас кантынентальна-арктычнага паветра, што і здарылася на значным паніжэнні тэмпературы ў раёнах Віцебшчыны і Полаччыны.

2-га сакавіка гэтае халоднае кантынентальна-арктычнае паветра ўжо цалкам ахапляе нашу краіну, пахаладанне ідзе яшчэ далей, у выніку чаго тэмпература на паўночным усходзе даходзіць да $-18-19$ градусаў.

У далейшыя дні, з 3-га па 5-ае сакавіка, гэтае халоднае паветра ўтрымліваецца на месцы і паступова ператвараецца ў кантынентальна-палярнае.

У гэтыя дні наглядаецца яснае неба і захоўваецца нізкія тэмпературы. 6-га сакавіка на змену халодным масам з паўночнага захаду ўваходзяць цёплыя масы морскага палярнага паветра, у звязку з чым утвараецца рэзкая змена надвор'я—з халоднага і сухога на цёплае і вільготнае.

У астатнія дні яшчэ назіраецца падток цёплых мас паветра, павышэнне тэмпературы яшчэ ідзе, неба захоўваецца пахмурным, ападкаў выпадаюць па ўсёй тэрыторыі БССР да канца дэкады і нарэшце ўстанаўліваецца цёлае і вільготнае надвор'е на працяглы час.

І. Харлап.

Метэаралагічная характарыстыка за 1—10 сакавіка 1934 г.

З пачатку гэтай дэкады тэмпература паветра была вельмі нізкая, асабліва 2-га і 3-га, калі на поўначы сярэднія сутачныя тэмпературы дасягалі -13° , а на поўдні -10° . З 5-га пачынаецца паступовае павышэнне тэмпературы. Гэтае павышэнне было няроўнамерным. Так 5-га на поўначы т-ра павысілася да 0° , а на поўдні да $-5-6^{\circ}$. У наступныя дні, да 7-га, т-ра на поўначы некалькі зніжаецца, а на поўдні павышаецца, і ў выніку паўсюды роўна $-3-5^{\circ}$. У апошнія тры дні т-ра павышаецца і хістаецца ад -2 да $+2^{\circ}$.

Сярэдняя дэкадная т-ра хістаецца ад -4 да -6° , такім чынам яна ніжэй нармальнай прыблізна на 1° . Максімальная т-ра даволі высокая, хістаецца яна ад 2 да 5° . Мінімальная т-ра паветра месцамі дасягае -20° .

Ападкаў за дэкаду выпала даволі малая колькасць, у большасці ад 2 да 6 мм. Толькі Марілеў даў значнае перавышэнне гэтай колькасці ($14,5$ мм). Амаль уся колькасць ападкаў выпала у апошнія 3-4 дні дэкады. З пачатку дэкады было пераважна сухое надвор'е.

Вятры пераважалі паўднёва-заходнія з сярэдняй хуткасцю 4 м/сек.

Воблачнасць была вельмі рознастайная ад 60 да 100% агульнага пакрыцця неба.

Снегазы насціл за гэту дэкаду значна знізіўся. У паўднёвай частцы БССР ён амаль зусім знік. У паўночна-заходняй частцы яшчэ захоўваецца да 10—20 см вышынёй. Залягае няроўнамерна.

Н. Малішэўская.

Сельска-гаспадарчая гідраметэаралагічная характарыстыка за 1—10 сакавіка 1934 г.

Метэаралагічныя фактары ў 1-ую дэкаду сакавіка не мелі рэзкіх хістанняў і не маглі выклікаць пашкоджанняў зімуючых культур.

Але наглядаўшаяся ў апошнія тры дні дэкады значнае павышэнне тэмпературы па ўсёй тэрыторыі БССР з сярэднесутачнай вышэй 0° выклікалі таянне снегу і стварылі некаторую пагрозу для азімых ад магчымых вымачак у нізкіх мясцах.

Мінімальныя тэмпературы, на паверхні глебы даходзіўшыя, напр., па Горкам да —26° і па Турску да —24°, не маглі вызваць значных пашкоджанняў.

Выкананню сельска-гаспадарчых прац надвор'е разглядаемай дэкады цалкам спрыяла.

В. Стэфановіч.

Вынікі праверкі метнагляданняў за студзень м-ц 1934 г.

XVII партз'езд даў цвёрдую дырэктыву дабіцца рэзкага паляпшэння якасці прадукцыі ва ўсіх галінах народнай гаспадаркі.

Гэтай дырэктывы не праводзяць у жыццё і ігнаруюць: загадчык Крычаўскай мет. станцыі т. Веселко, — па яго мет. станцыі сістэматычна бракуюцца нагляданні па максімальнаму тэрмометру (максімальны тэрмометр дзержыць максімальнасць). Назіранні ў кніжцы загадчыкам не кантраліруюцца, ападкі з мет. кніжкі ў табліцу перанесены на дзень вымярэння, у кніжцы маецца шмат назіранняў, падчышчаных гумай, знак мінус пры адмоўных тэмпературах не ставіцца, адсутнічае запіс у кніжцы вынікаў паверкі гадзінніка.

Аб усіх вышэй адзначаных недахопах т. Веселку ўказвалася, але зруху паляпшэння ў гэтым напрамку ў працы няма. Тав. Веселка, як бачна, не аўталаў тэхнікай сваёй вытворчасці. Таксама дрэнна працуе ст. Орша М. Б. Б. (заг. тав. Пятроў). Запіс назіранняў у мет. кніжцы вельмі брудны, неахайны, частую яго немагчыма прачытаць. Маецца шмат падчыстак і выпраўленняў гумай у мет. кніжцы. Аэралагічныя назіранні на працягу двух месяцаў не ўтвараюцца (ссылаючыся на аб'ектыўныя прычыны), як быццам мяшае паравозны дым. Спасылка на паравозны дым ёсць яўна шкодніцкая палітыка, накіравана да зрыву такіх наглядаў, як аэралагічныя, якія маюць абароннае значэнне. Здаюць якасць паказчыкаў працы мет. станцыі Марына-Горка і Дрыса, заг. ст. тт. Лапко і Гасюль.

За люты месяц па Марына-Горцы ёсць выпадкі няправільнага пераносу адлікаў з мет. кніжкі ў табліцу, прыклад: 5-га ў 21 гадзіну адлік правільны ў кніжцы —4°2, а ў табліцу пера-

несена —7⁰.2, адсюль няправільны падлік сярэднесутачных і сярэднемесячных. Таксама шмат выпадкаў няправільных выбарак сутачнага максімуму, прыклад: 7 га максімум узят +0⁰.7 у той час, калі ёсць больш цёплае паказанне 1⁰.8; таксама няправільна абраны максімум 9-га і 21-га. Па станцыі Дрыса маецца пралік па сухому тэрмометру на —5⁰.0, які ўстаноўлен па сінаптычнай карце, маецца недаўстрахаванне максімальнага тэрмометра і недасканальныя адлікі, як прыклад 8-га максімум пасля ўстрахавання 0⁰.8 у тэрмін наглядання, у наступны тэрмін маем адлік —0.1. Маецца шмат падчыстак і выпраўленняў адлікаў у мет. кніжцы.

Зрухі працы ў лепшы бок маюцца на мет. станцыі М.-Сосны і Асіповічы. Па М.-Соснам (заг. Насановіч) адлікі за люты месяц па прыладам дасканальныя, воблачнасць ніжняя не бракуецца, а ў мінулым бракавалася, уважлівыя нагляданні над з'явамі „графы ўваг“, асабліва туманамі.

Заг. Асіпавіцкай мет. станцыі т. Спірын арганізоўвае працу па мет. станцыі вельмі добра, сам працай зацікаўлены, у працы праяўляе сваю ініцыятыву, дае добрыя апісанні паасобных з'яў, прыклад яго апісання прыводзім: „26-га лютага ў 5 гадзін раніцай пачаўся туман, днём ён аслабеў, тэмпература-ж у 13 гадзін па сухому тэрмометру была +3⁰.4, к вечару тэмпература падала і на 27-га лютага мінімум быў к раніцы —3.07, прычым 26-га к вечару туман пачаў згушчацца. Цела пранізвалася сырасцю. Каля 24-ай гадзіны пачалося асяданне цвёрдага ападка. Цвёрды ападак асядаў на ўсіх прадметах вертыкальных і гарызантальных, на дрэвах, правадах у выглядзе дробных крышталікаў“. Гэту з'яву т. Спірын абазначыў ізмараз'ю. Безумоўна, што без апісання пры даных метэаралагічных умовах з'ява ізмаразі магла-б выклікаць сумненне.

А. Гурло.

КЛІМАТЫЧНЫЯ ўМОВЫ РОСТУ ПШАНІЦЫ ў БССР

У сваёй пастанове у галіне сельскай гаспадаркі XVII партыйны з'езд запісаў: „Значна ўзняць рост зернавой вытворчасці ў асноўных зернавых раёнах і стварыць устойлівую пшанічную базу цэнтральных і паўночных раёнаў“.

1. Гаспадарча-палітычнае значанне прасоўвання пшаніцы на поўнач

Сярод зернавых культур нечарназёмнай паласы, у тым ліку і ў БССР, самае апошняе месца займала такая каштоўная культура, як пшаніца, у прыватнасці азімая. Было-б зусім справядлова сказаць, што да Кастрычнікавай рэвалюцыі на яе нават і не звярталася ўвага. Гэта тлумачыцца тым, што праз дробныя бядняцка-серадняцкія гаспадаркі з іх адсталай тэхнікай і с. г. інвентаром прасоўваць пшаніцу ў нечарназёмную паласу было немагчыма. Памешчыцкія гаспадаркі лічылі культуру пшаніцы тут невыгаднай, так як яна патрабавала значных затрат і пры тагочаснай агра-тэхніцы, сістэме хлебаробства і з адсутнічаннем машынізацыі гаспадарак станавілася ў нечарназёмнай паласе

нават трудаёмкай культурай. Гэтыя абставіны гналі пшаніцу на поўдзень і паўднёвы ўсход, галоўным чынам у стэпы Украіны Паўночнага Каўказа і інш., дзе пры драпежніцкім скарыстанні зямель, з найменшай затратай капіталу вырашчвалася пшаніцай. У выніку гэтага склалася няправільная думка, быццам кліматычныя ўмовы нечарназёмнай паласы з'яўляюцца зусім неспрыяльнымі для вырашчвання пшаніцы, асабліва азімай, і што для яе месца толькі поўдзень, з добрымі глебамі, цёплым і доўгім летам, і г. д. Неправільнасць гэтага погляду бачна была ўжо з таго, што памешчыкі і кулакі для сваіх асабістых патрэб севалі пшаніцу ў гэтай паласе, якая добра паспявала і пры адпаведнай апрацоўцы давала добры ўраджай.

Кастрычнікавая рэвалюцыя ў корані змяніла соцыяльна-эканамічныя ўмовы, якія існавалі ў былой царскай Расіі.

Пад кіраўніцтвам партыі на чале з яе лепшым левым т. СТАЛІНЫМ бядняцка-серадняцкія гаспадаркі ва ўсім Савецкім саюзе аб'яднаны ў буйныя калгасныя гаспадаркі, пабудаваны саўгасы і МТС, якія ўзброены навукай і агра-тэхнікай, складанымі с.-г. машынамі, агра-навічым абслугоўваннем і г. д.

Тав. СТАЛІН сказаў: „Цяпер пытанне стаіць не аб шпаркіх тэмпах калектывізацыі і не аб тым—быць ці не быць калгасам—гэта пытанне ўжо вырашана. Калгасы замацаваны і шлях да старой аднаасобнай гаспадаркі зачынен канчаткова. Цяпер задача стаіць у тым, каб умацаваць калгасы арганізацыйна, вышыбіць адсюль шкодныя элементы, падабраць сапраўдныя правяральныя большэвіцкія кадры для калгасаў і зрабіць калгасы сапраўды большэвіцкімі, а калгаснікаў заможнымі“.

Для ажыццяўлення гэтай задачы партыя па ініцыятыве т. СТАЛІНА адзначыла, што далейшы працэс калектывізацыі будзе адзначаць працэс паступовага ўсасывання і перавыхавання астаткаў аднаасобных сялянскіх гаспадарак калгасамі.

Па ініцыятыве т. СТАЛІНА нашай партыяй і ўрадам праведзена ўсебаковае вывучэнне пытання прасоўвання пшаніцы на поўнач і вынікі яскрава гавораць за тое, што пытанне неабходна цяпер ставіць, як практычнае заданне сёнешняга дня.

Тав. КАГАНОВІЧ сказаў, што „ва ўмовах калгасных гаспадарак, пры пастаяннай дапамозе з боку дзяржавы ў справе прасоўвання перадавой сель-гаспадарчай тэхнікі, адчыняюцца магчымасці для максімальнага скарыстання ў гэтых (нечарназёмных—Аўтар) абласцях Саюза ўсіх пахатаздольных зямель і гэтым самым стварэння сель-гаспадарчай і пшанічнай базы ў цэнтральных і паўночных раёнах.“

За гады другой пяцігодкі Цэнтральным камітэтам намячаецца пашырыць пасевы пшаніцы па ўсім гэтым абласцям да 4 мільёнаў га замест 742.000 га ў 1932 годзе“.

Стварэнне пшанічнай базы ў цэнтры нашага Саюзу мае велізарнае як гаспадарчае, так і палітычнае значэнне. Акрамя таго, што гэта палегчыць перавозку пшаніцы з „пшанічных раёнаў“ для стварэння запасных фондаў і снабжэння прамысловых цэнтраў, гэта дасць магчымасць і самому насельніцтву гэтых раёнаў замяніць частку „серага хлеба“ такім высоякасным, як пшанічны. З другога боку вядома, што „пшанічныя раёны“—поўдзень і паўднёвы ўсход—падвяргаюцца часта недахопу

вільгаці, што значна зніжае ўраджай, а развіццё пшаніцы ў нечарназёмнай паласе, паласе з дастатковай колькасцю вільгаці, умераным кліматам і іншымі спрыяючымі ўмовамі, створыць адпаведную страхоўку пшанічнага фонду і стварэння ўстойлівай пшанічнай базы. У сваю чаргу гэтае мерапрыемства знішчыць розніцу паміж вытвараючымі і спажываючымі раёнамі Савецкага саюза і кожная рэспубліка, вобласць, край зможа сам забяспечваць свае прамысловыя пункты і ўсё насельніцтва.

2. Кліматычныя прыметы зоны распаўсюджвання пшаніцы

Пшаніца ў параўнанні з жытам, ячменем і аўсам з'яўляецца самай запатрабуючай культурай, як да клімату, так і да глебы. Яна добра ўдаецца з усіх паўночных рознасцей глеб на сярэдніх і цяжкіх суглінках, на слаба ападзоленых глебах, на моцных і дэградываваных чарназёмах і на моцна вапнаваных глебах.

Адносіны пшаніцы да клімату ў сучаснай літаратуры больш дакладна сфармуляваны акадэмікам Маскоўскага С/гаспадарчага Інстытута Д. Н. Пранішнікавым і італьянскім праф. Джыроламо Ацці.

Джыроламо Ацці ў сваіх працах „Клімат пшаніц“ і „С. г. экалогія“¹ сістэматызуе велізарны матэрыял па вывучэнню залежнасці распаўсюджвання пшаніц на зямной кулі ад кліматычных умоў. У гэтых-жа працах аўтар устанаўлівае кліматычную мяжу, да якой (на поўнач) можа даходзіць культура аз. пшаніцы. Гэта мяжа праходзіць праз усю зямную кулю і ідзе далёка на поўнач. Патрэбна адзначыць, што тэрыторыя БССР ляжыць якраз у зоне магчымага вырашчвання аз. пшаніцы і што кліматычная мяжа ляжыць нават паўночней БССР амаль на 2°, г. зн. каля 220 кілометраў.

Паўночная мяжа культуры пшаніцы вызначаецца недахопам цяплыні. Але мерапрыемствы ў галіне селекцыі пшаніц у сэнсе выяўлення больш устойлівых сартоў могуць яшчэ далей на поўнач змясціць устаноўленую кліматычную мяжу.

Такім чынам раён магчымага культывавання пшаніцы ў нашым Саюзе велізарны—пачынаючы з поўдня, дзе недахоп вільгаці і лішак цяплыні, і да поўначы, дзе паніжана колькасць цяпла і лішкі вільгаці. Як бачна, гэту каштоўнейшую культуру—пшаніцу можна паспяхова вырашчваць у розных температурах і вільготных умовах, пры дапасаванні лепшых прыёмаў агратэхнікі. Для характарыстыкі ўплыву ўмоў вільготнасці раёна магчымай культуры пшаніцы, дастаткова прывесці такія два пункты зямной кулі, як востраў Яву, з аднаго боку, з гадавой колькасцю ападкаў да 2530 міліметраў, з другога боку—Туніс з гадавой колькасцю ападкаў да 183 міліметраў.

У адносінах распаўсюджвання пшаніцы па тэмпературнай адзнацы таксама дастаткова ўказаць, што яна сустракаецца ад паўночнай зоны (мяжа палярнага холада)—Томска, з сярэдняй месячнай тэмпературай студзеня—19°, аж да Хартума (Судан—

¹) Экалогія—навука, якая вывучае залежнасць паміж арганізмамі і акружаючым асяроддзем.

ля жаркай экватарыяльнай мяжы) з сярэдняй месячнай тэмпературай студзеня $+22^{\circ}$.

Такім чынам галоўнымі кліматычнымі фактарамі, якімі азначаюцца межы распаўсюджвання пшаніцы, з'яўляюцца:

- 1) недахоп альбо лішкі цяплыні,
- 2) недахоп альбо лішкі вільгаці.

Прыведзенай вышэй характарыстыкі ўжо дастаткова для таго, каб зрабіць вывады аб поўнай магчымасці культывавання азімай і яравой пшаніцы ў БССР.

3. Патрэбнасць пшаніцы ў клімаце

З усіх зернавых культур пшаніца з'яўляецца адносна амаль самай трэбавацельнай раслінай да клімату. Яна больш чым іншыя культуры чулліва рэагуе на ўсякія ненармальныя кліматычныя з'явы, асабліва на часовыя зніжэнні т-р і недахоп вільгаці.

Для прарастання насення пшаніцы неабходна, каб глеба мела тэмпературу не ніжэй $3^{\circ}\text{--}4^{\circ}\text{C}$ і не вышэй $30\text{--}32^{\circ}\text{C}$. Самай лепшай для прарасчвання насення пшаніцы з'яўляецца тэмпература глебы роўная $+25^{\circ}\text{C}$. Тую пору, калі наглядаецца ніжэйшая мяжа ($3\text{--}4^{\circ}\text{C}$) прарастання зярна пшаніцы, ні ў якім разе нельга прымаць за тэрмін пасева азімай пшаніцы, таму што гэта вельмі позна і хоць усходы і з'яўляюцца, усёроўна яны далей развівацца не будуць, бо пры нізкіх тэмпературах маладыя зялёныя расткі не змогуць усваяць спажываных матэрыялаў з паветра, і добрай перазімоўкі такіх пасеваў можна зусім не чакаць. У практыцы ніжэйшы прадзел тэмпературы глебы ($3\text{--}4^{\circ}\text{C}$) патрэбна скарыстаць для звышранніх і ранніх пасеваў яравой пшаніцы.

Вегетацыйны перыяд пшаніцы, ад пасеву да паспявання, вызначаецца: для яравой ад 80 да 100 дзён і азімай каля 150 дзён (не ўлічваючы зімовага перыяду). Патрэбна адзначыць, што даўжыня вегетацыйнага перыяду, у залежнасці ад геаграфічных умоў і ад сорту пшаніцы, мяняецца, а таксама і даўжыня летняга дня на поўначы садзейнічае скарачэнню перыяду вегетацыі.

Другі фактар, якім абумоўліваецца культура пшаніцы, гэта неабходная колькасць цяплыні на працягу перыяду вегетацыі. Так, для азімай пшаніцы, каб яна паспела, патрэбна каля 2100° эфектыўнай цяплыні (эфектыўная тэмпература—гэта ёсць сума дадатных тэмператур вышэй 5°), а для яравой каля 2000° (агульная сума т-р). З літаратурных крыніц вядома, што маюцца сарты яравых пшаніц, якім неабходна цяплыні толькі каля 1350° для іх поўнага развіцця. Азімая пшаніца, як адна з усіх зернавых культур, найлепш пераносіць жару, з якой у сваю чаргу звязаны сухмені. Што датычыцца патрэбнасці пшаніцы ў вільготнасці, то тут фаза калашэння рэзка падзяляе вегетацыйны перыяд пшаніцы на дзве паловы. Ад пасева да калашэння расліны пшаніцы сістэматычна патрабуюць дастатковую колькасць вады. Гэта тлумачыцца тым, што пры дастатковай

вільготнасці расліны лепш кусцяцца, утвараюць большую колькасць сцяблоў і каласоў.

У пшаніц, як азімай, так і яравой, выяўлены перыяды развіцця, у якія наяўнасць дастатковай вільгаці ці яе недахоп ужо абумоўліваюць чакаемы ўраджай. Такія перыяды завуцца „крытычным перыядам“. Крытычны перыяд для пшаніц (яравой і азімай) наступае за 15-20 дзён перад калашэннем. Гэта значыць, калі ў гэты перыяд вільгаці ў глебе дастаткова, дык ураджай незалежна ад далейшых умоў вегетацыйнага перыяду забяспечаны. Калі-ж у гэты перыяд вільгаць у глебе зніжаецца ніжэй патрэбнага мінімума, які забяспечвае прагрэсіўнае развіццё пшаніцы, дык ураджай значна памяншаецца незалежна ад далейшых добрых метэаралагічных умоў. Лішняя вільгаць у перыяд ад калашэння да паспявання больш шкодна, чым яе недахоп. Для забеспячэння крытычнага перыяду, неабходна, каб у маі месяцы выпала не менш як 25-30 мм ападкаў. Акрамя таго для азімай пшаніцы велізарнае значэнне маюць ападкі верасня і кастрычніка месяцаў.

Адным з асноўнейшых момантаў, які вызначае магчымасць прасоўвання азімай пшаніцы на поўнач, з'яўляецца зімовы перыяд. Азімая пшаніца горш, чым жыта пераносіць значныя зніжэнні тэмпературы. Але пры дастатковым снегавым насціле яна вытрымлівае даволі значныя марозы. Напрыклад, у Томску пры сярэдняй месячнай тэмпературы студзеня роўнай — 19° і мінімумах тэмператур, даходзячых да — 40° і ніжэй, яна добра перазімоўвае дзякуючы тоўстаму снегавому насцілу. У іншым выпадку ні адзін сорт пшаніцы мароза у 40° не вытрымаў-бы. Доследы паказваюць, што азімая пшаніца пераносіць марозы да 25°C пры бесснежжы, а пры нармальным снегавым насціле, які даходзіць да 30 см, значна ніжэй.

На ўстойлівасць пшаніцы (азімай) значна ўплывае так званая „закалка“. Закалка гэта ёсць падрыхтоўка раслін да сустрэчы зімніх нізкіх тэмператур. Закалка вытвараецца восенню, калі тэмпература паступова павольна зніжаецца пры дастатковым сонечным свеце і калі начныя пахаладанні змяншаюцца сонечным днём.

Дадзеныя доследы з замаражваннем далі наступныя вынікі:

- | | |
|--|---------|
| 1. Незакалёная пшаніца загінула пры . . . | 10°C |
| 2. Слаба закалёная | 12-13°C |
| 3. Добра закалёная | 15-16°C |
| 4. Вельмі добра закалёная пш. загін. пры . . | 18-25°C |

Тая акалічнасць, што пры адной закалцы пшаніца гіне ў адных выпадках пры адной тэмпературы, у другіх выпадках пры другой, тлумачыцца выключна асаблівасцямі асобных сартоў.

Гібель азімай пшаніцы не заўсёды адбываецца пры зімніх нізкіх тэмпературах, калі расліны знаходзяцца ў становішчы марозаўстойлівасці. Часта азімая пшаніца гіне ў канцы зімы і ранняй вясною, калі закалка раслін к канцу зімы паступова зніжаецца. Рэзкія хістанні тэмпературы ад адлігі да прымарозкаў асабліва ствараюць гібельныя ўмовы для пшаніцы.

Набыццё раслінамі пшаніцы здольнасці вытрымліваць значныя марозы абумоўліваецца ў першую чаргу, акрамя сорту, тэрмінам пасева. Ранні тэрмін севу цалкам забяспечвае добрае развіццё раслін да ўхода пад снег, якія за гэты час маюць магчымасць адкласці ў сваім арганізме дастатковую колькасць цукру, пры дапамозе якога расліны набываюць здольнасць марозаўстойлівасці і прайсці поўны працэс закалкі.

4. Магчымасці вырашчвання пшаніцы ў кліматычных умовах БССР

З характарыстыкі „патрэбнасці пшаніцы ў клімату“ відаць, што гэта культура не з'яўляецца настолькі ўжо патрабуючай раслінай, што для яе развіцця патрабуецца асаблівае асяроддзе, у прыватнасці кліматычнае. З паўночнай кліматычнай мяжы магчымага распаўсюджвання пшаніцы таксама відаць, што гэта кліматычная мяжа ляжыць амаль на 2⁰ паўночней нашай БССР і пры прасоўванні на поўнач яна бяспрэчна павінна ахапіць і тэрыторыю Беларусі.

Прымаючы пад увагу усё раней сказанае аб патрэбнасці пшаніцы ў клімаце у гэтым сэнсе клімат нашай рэспублікі можна характарызаваць наступным чынам.

1. Працягласць вегетацыйнага перыяду ва ўмовах БССР складае ад 175 дзён на поўначы да 190 дзён на поўдні, калі пшаніца патрабуе для свайго поўнага цыклу развіцця—яравая да 100 дзён, а азімая да 150 дзён. Такім чынам становіцца зусім зразумела, што нават на поўначы нашае краіны вырашчванне азімае пшаніцы, не ўпамінаючы ўжо аб яравой, гэтым фактарам забяспечана. Акрамя гэтага, калі яшчэ ўлічыць тое, што вегетацыйны перыяд аз. пшаніцы складаецца з асенняга перыяду—ад пасева да прымушанага спынення вегетацыі аднаго году і з пачатку вегетацыі—вясны і лета другога году, дык відавочна, што пашырэнне пшаніцы ў БССР магчыма.

Вегетацыйны перыяд ва ўмовах БССР заканчваецца 10-13 кастрычніка на поўначы і 20-22 кастрычніка на поўдні. Такім чынам пасеяў азімую пшаніцу не пазней 20-25 жніўня, на гэты перыяд прыпадае каля 50 дзён вегетацыі і толькі 100 дзён вегетацыі прыпадае на наступны год. Фаза паспявання павінна пачынацца не пазней 10 жніўня, а то і раней.

2. Сума эфектыўных тэмператур у БССР роўна для паўднёвых частак каля 1700⁰—1750⁰, для паўночнай каля 1450⁰. Сума тэмператур вегетацыйнага перыяду азімых на поўдні нашай рэспублікі складае каля 2100⁰ і на поўначы каля 1800⁰.

Наведзеныя даныя сум тэмператур вегетацыйнага перыяду яскрава сведчаць аб тым, што і гэты фактар распаўсюджвання яравой пшаніцы на ўсёй тэрыторыі БССР забяспечвае цалкам, асабліва сарты, якія выведзены для паўночнай часткі Савецкага саюза (напрыклад, праф. Пісарэвым, што патрабуе цяплыні толькі каля 1350⁰).

Для вырашчвання аз. пшаніцы ў БССР, у паўднёвай зоне цяплыні зусім дастаткова, крыху яе менш у паўночнай зоне. Але гэты фактар (сума тэмператур) з'яўляецца да некаторай ступені

ўмоўным і сума ў 1800⁰ таксама можа забяспечыць развіццё аз. пшаніцы.

Акрамя таго тут павінна быць адведзена адпаведнае месца селекцыі, якая павінна даць найлепшы сорт аз. пшаніцы для ўмоў БССР.

3. Ападкі за месяцы вегетацыйнага перыяда (IV—X) цалкам задавальняюць патрабаванні пшаніцы (яр. і аз.) у вільгаці. У БССР за памянёныя месяцы выпадае ападкаў у паўднёвай зоне пераважна каля 550 мм і ў паўночнай 470 мм—570 мм, тады калі пшаніцы патрэбна ад пасеву да паспявання максімум да 500 мм.

Вядома, што акрамя колькасці ападкаў вялікую ролю адыгрывае іх размеркаванне на працягу вегетацыйнага перыяду. Ужо вышэй гаварылася, што пшаніца, як і іншыя культуры, у розныя фазы развіцця не адналькава рэагуе на вільгаць. Дастатковая колькасць вільгаці для пшаніцы неабходна ад пасеву да калашэння, якая (вільгаць) у нашых умовах якраз і прыпадае на гэты перыяд. Шматгадовыя дадзеныя размеркавання ападкаў па месяцах у БССР паказваюць, што яны здавальняюць патрабаванні пшаніцы, як азімай, так і яравой. Ападкі жніўня ў сярэднім каля 65 мм і верасня 40—50 мм цалкам адпавядаюць запатрабаванням азімай пшаніцы ў час пасеў-усходы і ўсходы-кушчэнне, да спынення вегетацыі. Ападкі мая 40—50 мм і чэрвеня 60—70 мм з'яўляюцца якраз дастатковай колькасцю для здавальнення крытычнага перыяду пшаніцы. Такім чынам ва ўмовах БССР наяўнасць дастатковай колькасці вільгаці ў асноўныя моманты развіцця поўнасю гарантуе ўраджай, як яравой, так і азімай пшаніцы. Адмоўным з'явішчам з'яўляюцца ападкі ліпеня м-ца, якія па шматгадовым дадзеным складаюць месячную суму пераважна ад 70 да 80 мм, пшаніца ў перыяд ад наліва да паспявання зерна рэагуе адмоўна на празмернае звільгочванне, але ападкі ліпеня нельга лічыць празмернымі і калі да гэтага яшчэ дадаць лёгкасць глеб БССР, дык колькасныя і якасныя суадносіны ападкаў для пшаніцы з'яўляюцца здавальняючымі.

4. Рэжым зімовага перыяду, які наогул зачастую прадрашае лёс ураджаю аз. пшаніцы, у нашай рэспубліцы ён не можа ствараць асаблівай пагрозы.

Студзень месяц, які з'яўляецца, паводле шматгадовых дадзеных, самым халодным месяцам, мае сярэднюю месячную тэмпературу ад -6° на поўдні да -3° на поўначы (сярэдня па БССР $-7,2^{\circ}$) і сярэдняя мінімальная ад -23° да -25° .

Снегавы насціл гэтага месяца (студзеня) у сярэднім дасягае таўшчыні на поўдні да 20 см і на поўначы да 30 см. Абсалютныя мінімумы (самыя нізкія тэмпературы) у нашых умовах у паасобныя гады (вельмі рэдка) даходзяць да -40° на поўначы і -34° на поўдні і прыпадаюць на люты месяц пры сярэдняй таўшчыні снегавога насціла на поўначы да 40 см і да 27 см на поўдні. Максімальныя-ж таўшчыні снегавога насцілу ў паасобныя гады ў лютым месяцы даходзяць да 80 см на поўначы і да 60 см на поўдні. Такім чынам відаць, што ўмовы зімовага рэжыму, у сэнсе суадносін самых нізкіх тэмператур паветра і снегавога насцілу, з'яўляюцца здавальняючымі. Калі ўлічыць тое, што большасць сартоў аз. пшаніцы пераносяць мароз пры бясснежжы

да 25° С, дык усякая пагроза сістэматычнага вымярэння пшаніцы ў нас адпадае, а калі і можа наглядацца частковая гібель, дык скарэй пад канец зімы ад адліг, якія змяняюцца замярзаннем, а таксама і ў нізкіх мясцах, ад асенняга і вясенняга вымакання.

Добрая зімоўка аз. пшаніцы, як гаварылася вышэй, абумоўліваецца ў першую чаргу зімастойкім сортам, магчымасцю раслін да ўхода пад снег адкласці ў сваім арганізме дастатковую колькасць цукру (вуглеводаў), што прыдае ім здольнасць пераносіць значныя паніжэнні тэмператур, і адпаведнай закалкай. Для забеспячэння гэтага ў нашых умовах павінны адыгрываць галоўную ролю два моманты: 1) падбор устойлівага сорту з аднаго боку і 2) ранні тэрмін севу, пры якім расліны пшаніцы толькі і могуць пайсці пад снег у добра падрыхтаваным становішчы.

5. Сярэдняя месячная тэмпература летам (ліпень) у паўночнай зоне 17°—18°, у паўднёвай да 19°, хаця і далёка да патрэбных тэмператур для пшаніцы, але яна ўсё-ж такі значна вышэй ад прадзельнай, пры якой расліны заметна страдаюць. Гэты ніжэйшы тэмпературны прадзел раўняецца 16°.

6. Вядома, што свет з'яўляецца адным з асноўных фактараў, пдсутнасць ці недахоп якога спыняе зусім жыццё альбо значна ларушае нармальнае развіццё арганізмаў раслін. Пшаніца—расуіна светалюбівая і патрабуе значнай колькасці святла, асабліва к перыяд ад наліва зярна да паспявання. Ва ўмовах беларускага клімату самая найменшая воблачнасць якраз і наглядаецца ў летнія месяцы, асабліва ў ліпені, калі ідзе фармаванне і паспяванне зярна. Воблачнасць ў гэты час складае 50—60% агульнага пакрыцця неба.

У выніку аналізу кліматычных умоў нашае краіны можна неабходна сказаць, што развіццё пшаніцы, яравой і азімай, у нас магчыма, прычым у паўночнай зоне лепш разводзіць яравую, высяваючы яе звыштэрміновым севам.

Не лішнім будзе напаміць, што акрамя спрыяючых кліматычных умоў для вырашчвання пшаніцы зусім не ў мінімуме і глебавыя ўмовы. Дастаткова навесці арыентыровачныя дадзеныя ВІУА падліку глеб, прыдатных для культуры пшаніцы па БССР, як для нас і гэтае пытанне будзе зусім ясным так для БССР.

- | | |
|---|------------|
| 1. Агульны фонд асвоеных і неасвоеных, прыдатных для пшаніцы глеб | 1900000 га |
| 2. Пахатныя глебы, прыдатныя ў сучасны момант— | 350000 га |
| 3. " " " пры валнаванні | 600000 га |

Як відаць, што рэсурсы БССР для прадукіравання пшаніцы велізарны, якія магчыма скарыстаць толькі пры ўдзеле шырокіх мас калгаснікаў, рабочых саўгасаў і ўсёй грамадскасці нашае краіны. Пад кіраўніцтвам КП(б)Б даб'ёмся стварэння сваёй пшанічнай базы ў БССР.

Ф. Рабаконь.

Метэаралагічнае абслугоўванне міжраённых камісій па вызначэнню ўраджайнасці

Пад кіраўніцтвам куністычнай партыі і яе ленінскага ЦК Совецкі саюз ператварыўся з краіны аграрнай у краіну індустрыяльную, з краіны дробна-сялянскай у краіну самай буйнай ва ўсім свеце сацыялістычнай сельскай гаспадаркі.

Калгасы і соўгасы, пад непасрэдным кіраўніцтвам палітаддзелаў МТС і соўгасаў, дабіліся вялікіх поспехаў у справе арганізацыйна-гаспадарчага ўмацавання і далейшага развіцця сацыялістычнай с.г. вытворчасці.

Да ліку мерапрыемстваў партыі і ўраду па ўмацаванні і развіццю сацыялістычнай сельскай гаспадаркі і ўзняццю ўраджайнасці адносіцца і арганізацыя дзяржаўных камісій па вызначэнню ўраджайнасці і валавога збора збожжавых культур.

Ва ўмовах сельскай гаспадаркі пабудова планавых мерапрыемстваў павінна праводзіцца з улікам гідраметэаралагічных фактараў, уздзеінічаючых у той ці другі бок на сельска-гаспадарчую вытворчасць. Такія з'явы прыроды, як засуха, сухавеі, працяглыя дажджы і град, познія вясеннія і раннія асеннія замаразкі, у значнай меры ўплываюць на становішча пасеваў і на колькасць і якасць атрымоўваемага ўраджаю.

У мэтах палепшання абслугоўвання міжраённых камісій па вызначэнню ўр-ці, ЦУ ЕГМС СССР, па ўзгадненню з Цэнтральнай Дзяржаўнай Камісіяй па вызначэнню ўраджайнасці, была вынесена пастанова (ад 26.X 1933 г. за № 56) аб арганізацыі міжраённых метэаралагічных станцый, тэрытарыяльна і апэратыўна звязаных з міжраённымі камісіямі па вызначэнню ўраджайнасці. У выкананне гэтай пастановы ГК АГМС БССР арганізаваны наступныя міжраённыя метстанцыі: Віцебская, Горацкая, Магілёўская, Гомельская, Калінкавіцкая і Слуцкая. Гэтыя міжраённыя метстанцыі прымацаваны да адпаведных міжраённых камісій: Віцебскай, Аршанскай, Магілёўскай, Гомельскай, Мазырскай і Бабруйскай. Абслугоўванне Менскай міжраённай камісіі вытвараецца с/гасп. сектарам аддзела прагнозаў ГК АГМС.

Усе метстанцыі II і III разраду, якія знаходзяцца на тэрыторыі адпаведнага міжраёна, прымацаваны да міжраённых метстанцый і абавязаны дасылаць ім вынікі сваіх назіранняў. Міжраённыя метстанцыі абагульваюць вынікі назіранняў свайго міжраёна і ў выглядзе зводак прадстаўляюць міжраённым камісіям.

У праграму назіранняў, правадзімых міжраённымі метстанцыямі, уваходзіць: назіранні над тэмпературай і вільготнасцю паветра, над тэмпературай і вільготнасцю глебы, над напрамкам і хуткасцю ветра, над ападкамі, снегавым насцілам, прамярзаннем глебы, над становішчам і развіццём пасеваў у час вегетацыі і зімовы перыяд, назіранні за ходам палявых работ і інш. Вылучаныя мет. ст. у якасці міжраённых не ўсе будуць ахопліваць пералічаныя пункты праграмы, таму што многія з іх—Магілёў, Гомель і іншыя станцыі абслугоўваюць выключна чыгуначны транспарт і не праводзяць с/гасп. назіранняў, што з'яўляецца значным прабелам у абслугоўванні міжраённых камісій.

Дзяржаўныя-ж камісіі па вызначэнню ўр-ці распалагаюць побач з метэаралагічнымі матар'яламі для вызначэння відаў на ўраджай яшчэ лічбамі біялагічнага вучота ўраджаю на корню, атрыманага шляхам накладвання метровых пляцовак, а таксама і вынікамі кантрольнай уборкі і абмалоту.

З вышэй паданага відаць, што пры цеснай увязцы працы метстанцыі з міжраённымі камісіямі, пры правядзенні назіранняў на адных і тых-жа плошчах пасеву, з дакладным улікам канчатковага ўраджаю—вартасць даваемых метстанцыямі звестак значна узрасце.

Для ўсебаковага і больш дакладнага абслугоўвання дзярж. камісій па вызначэнню ўраджайнасці, міжраённых метстанцый павінны арганізаваць на сваёй тэрыторыі сетку аграметэакарэспандэнтаў, працу якіх таксама трэба цесна ўвязаць з працай кантралёраў дзяржаўных камісій.

Для наладжвання ўсёй працы як міжраённых метстанцый, гэтаксама і ўсёй сеткі метстанцый, уваходзячых у раён яе дзейнасці, пажадана было-б увесці ў штат міжраённых метстанцый спецыяліста агранома, які змог-бы кіраваць усёй сеткай, непасрэдным інструктажам назіральнікаў, шляхам выездаў на месца назірання.

Ітак, у заключэнне, трэба адзначыць, што для таго, каб працу па метэаралагічнаму абслугоўванню сацыялістычнай сельскай гаспадаркі і ў прыватнасці па абслугоўванню міжраённых камісій па вызначэнню ўраджайнасці ўзняць на належную вышыню, нельга супакойвацца толькі на арганізацыі міжраённых метстанцый.

1. Трэба іх працу самым цесным парадкам спалучыць з працай дзяржаўных камісій па вызначэнню ўраджайнасці.

2. Арганізаваць с.-гас. назіранні пры міжраённых метстанцыях, якія іх не вядуць.

3. Кіраўніцтва с/г. назіраннямі ў межах міжраёна ўзначаліць раз'езным спецыялістам аграномам.

Тады можна будзе сказаць, што АГМС не на словах, а на справе ўключылася ў барацьбу за рэалізацыю лозунга т. Сталіна і партыі „зрабіць усіх калгаснікаў заможнымі“.

В. Стэфановіч.

ПАСТАНОВА № 107

НАРОДНАГА КАМІСАРЫЯТА ЗЕМЛЯРОБСТВА БССР

Ад 22 сакавіка 1934 г.

Аб налічэнні працадзён аграметкорам у калгасах.

Выходзячы з таго, што шмат калгасаў не аплачваюць аграметкораў, Народны Камісарыят Земляробства БССР паста-наўляе:

1. Пацвердзіць пастанову НКЗ БССР ад 27/III-33 г. аб налічэнні 4 працадзён у месяц за работу аграметкорам (пра-такол № 153).

2. Налічэнне працадзён за працу аграметкораў вытвараецца кіраўніцтвам калгаса толькі з прадстаўленнем водзыва аб працы органаў Гідраметслужбы.

П. п. Нам. Народнага Камісара
Земляробства БССР *Каранеўскі.*

ПАПРАЎКА

1) У № 4 нашага бюлетэня, пад артыкулам „Аб працы вада-мерных пастоў за студзень 1934 г.“ апушчаны подпіс аўтара, якім з'яўляецца Х. Нагераў.

2) У тым-жа артыкуле ў 16-ай строчцы надрукавана— „ўмацаванне яе іншымі ўдарнікамі...“, патрэбна чытаць „ума-цаванне яе лепшымі ўдарнікамі...“.

Адказы рэдактар П. Мамаеў.

| | | |
|------------------|---|---------------|
| Члены рэдкалегіі | { | А. Кайгарадаў |
| | | Ф. Рабаконь |
| | | Б. Лісіцкі |
| | | І. Калько |
| | | І. Рачыцкі. |

1082. 67962



Москва

Московская Набережная 138
Гидрометеорологическая
станция У. Б. Г.



Получено 16. VII. 47
В. Б. Г.

